प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय में सामूहिक रूप से मनायी 132वीं अंबेडकर जयंती

डा. अम्बेडकर ने हमेशा संघर्ष करके समाज को एक नए दौर में लाने का काम किया था। एक महान नेता, बल्कि दार्शनिक, समाज शास्त्री, कवि, लेखक, शिक्षक, वकील तथा भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता अंबेडकर साहेब ने एक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण किया। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के माध्यम से न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिये उपाय किये। उनके इन्हीं योगदानों को याद करते हुए सांस्कृतिक चेतना परिषद व अंबेडकर भवन की तरफ से अंबेडकर जयंती मनायी गई। इसके तहत 12 अप्रैल को दो प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इसी कड़ी में 14 अप्रैल को अंबेडकर भवन में आयोजित कार्यक्रम में भी विद्यार्थियों ने अनेक देशभक्ति नृत्य–प्रस्तुतियों व कविता–गायन के माध्यम से अंबेडकर जी को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान के साथ अधिष्ठाता, निदेशक, विभिन्न छात्रावासों के अभिरक्षक तथा अभिरक्षिकाओं ने शिरकत की।

कुलपति ने अभिवादित करते हुए कहा कि डा. अंबेडकर के काम और उनकी विचारधारा आज भी हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमें अपने भीतर अंबेडकर की शिक्षा को खोजने की आवश्यकता है। संविधान के साथ–साथ उनकी अन्य प्रसिद्ध कृतियां जैसे 'जाति का उच्छेद' और 'रुपये की समस्या' हमारी अंतर्चेतना को जागृत करती हैं। इसी पर अपने संबोधन में सांस्कृतिक चेतना परिषद् की स्टाफ काउंसलर डा. विनीता राठौर ने कहा कि बाबा साहब डा. अंबेडकर जी ने हमारे समाज में आने वाली विसंगतियों को समझा और उन्हें दूर करने के प्रयास किये। उन्होंने यह साबित कर दिया कि शिक्षा, संघर्ष, संगठन तथा सुसंगत समाजिक नियोजन आपसी भेदभाव तथा समाज में सशक्ति लाने के लिए गहन रूप से आवश्यक हैं। अंबेडकर भवन की अभिरक्षिका डा. सोनिका चौहान ने अनुरोध किया कि हम सभी डा. अम्बेडकर जी की दृष्टि को याद रखें और अपने जीवन में भी उनके विचारों का पालन करें। अंत में कार्यकारी अधिष्ठात्री छात्र कल्याण डा. स्नेहा दोहरे ने सभी गणमान्य अतिथियों व कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बाबा साहब के जीवन को एक ग्रंथ बताया और उनके मार्गदर्शन पर चलकर विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

बाबा साहब डा. भीम राव अम्बेडकर की 132वीं जयन्ती पर श्रद्धासुमन समर्पित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।